एम.ए. हिंदी (एम.एच.डी.)/ एम.ए.एच.डी/ एम.एच.डी.ओ.एल/एम.ए.एच.वी.

पाठ्यक्रम कोड : एम.एच.डी.–03

उपन्यास एवं कहानियाँ

सत्रीय कार्य (जुलाई–2026 और जनवरी–2027) सत्रों के लिए

जुलाई–2026 सत्र के लिए अंतिम तिथि : 31 मार्च, 2027

जनवरी–2027 सत्र के लिए अंतिम तिथि : 30 सितम्बर, 2027

मनविकी विद्यापीठ

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय

मैदान गढ़ी, नई दिल्ली–110068

एम.एच.डी.–03
उपन्यास एवं कहानियाँ
सत्रीय कार्य
(सभी खंडों पर आधारित)

पाठ्यक्रम कोड : एम.एच.डी.–3
सत्रीय कार्य कोड : एम.एच.डी.–3/टी.एम.ए./2026–2027
कुल अंक : 100

सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

1.	'गोदान' के आधार पर प्रेमचंद के किसान संबंधी दृष्टिकोण का सोदाहरण विवेचन कीजिए।	10
2.	'सूखा बरगद' उपन्यास के कथ्य पर अपने विचार व्यक्त कीजिए।	10
3.	'धरती धन न अपना' उपन्यास में दलित जीवन से संबंधित उपन्यासकार की दृष्टि पर प्रकाश डालिए।	10
4.	'बाणभट्ट की आत्मकथा' उपन्यास के आधार पर हजारी प्रसाद द्विवेदी की नारी चेतना का सोदाहरण विवेचन कीजिए।	10
5.	'मैला आँचल' की भाषा और इस उपन्यास में चित्रित लोक-तत्व पर अपने विचार व्यक्त कीजिए।	10
6.	'त्रिशंकु' कहानी को केंद्र में रखकर मध्यवर्गीय परिवार में परंपरा और आधुनिकता के द्वन्द्व का सोदाहरण वर्णन कीजिए।	10
7.	'तिरिछ' कहानी में चित्रित शहरों में लुप्त होती मानवीय संवेदना का सोदाहरण विश्लेषण कीजिए।	10
8.	आज परिवार का स्वरूप बदल रहा है, कैसे? 'पिता' कहानी को केंद्र में रखकर सोदाहरण स्पष्ट कीजिए।	10
9.	निम्नलिखित पर टिप्पणी लिखिए : (क) 'पाजेब' कहानी में चित्रित बाल मनोविज्ञान (ख) 'गोदान' में महाजनों की शोषण–प्रवृत्ति (ग) 'सिक्का बदल गया' कहानी में विभाजन की त्रासदी (घ) 'पुरस्कार ' कहानी का शीर्षक	4X5=20